गजबदन गजबदन गजबदन

गजबदन गज़बदन गजबदन ॥2॥

1 तुम हो संकट हरण नाथ असरन सरन ।
सारा त्रिभुवन तुम्हे कर रहा है नमन ।
शिव दुलारे हो.....गौरी के प्यारे सुवन..
गजबदन ~गजबदन ~गजबदन

2 गरवा उस सिंदूरा सुरु की किये हो दलन ।
ब्रम्हा की पुत्री सिद्धि किये हो वरण ।
तब उसी दिन से..... सिंदूर किये हो प्रहन
गजबदन ~गजबदन ~गजबदन

3 एक दिन कर्क सब मिलके किये देवगण ।
कोन होगा प्रथम पूज्य किजे चयन ।
जो प्रथम आयेगा.... विश्व करके भृमण..
गजबदन ~गजबदन ~गजबदन

4.मान बुद्धि के दाता तुम्हे देवगन
उचे आसन दिये लिये श्रद्धा सुमन
कर अजय पे.....कृपाहे कृपा के सदन
गजबदन ~गजबदन ~गजबदन

https://www.bhajanganga.com/bhajan/lyrics/id/33787/title/Gajbadan-gajbadan-gajbadan

अपने Android मोबाइल पर BhajanGanga App डाउनलोड करें और भजनों का आनंद ले |